PRESS CUTTINGS

2002

शहीद पुलिसवालों के परिवारों को मदद की घोषणा

जोड़ासाको वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से आयोजित समारोह में मंच पर बाएं से सत्यनारायण बजाज, सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय, तापस राय व संदीप भूतोड़िया। फोटो : जनसत्ता

कोलकाता, २७ जनवरी (जनसत्ता)। अमेरिकी सेंटर पर हमले में मारे गए पुलिस कर्मियों के परिवारों को प्रभा खेतान वेलफेयर ट्रस्ट और अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन की युवा शाखा की ओर से मदद की जाएगी। दोनों संगठनों की साझा संस्था 'एजुकेशन फार आल' ने मदद का बीड़ा उठाया है। रविवार को स्थानीय महाजाति सदन में हुए एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा की गई।

एजुकेशन फार आल के संयोजक संदीप भूतोड़िया ने बताया कि संस्था मारे गए जवानों के बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाएगी। उन्होंने बताया कि इस आशय की सूचना कोलकाता पुलिस के आयुक्त सुजय चक्रवर्ती को दे दी गई।

समारोह में जोड़ासाको वेलफेयर ट्रस्ट की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। कार्यक्रम में सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय व बड़ाबाजार और जोड़ासाको के विधायक भी मौजूद रहे। इसके पूर्व अपने अध्यक्षीय भाषण में विधायक सत्यनारायण बजाज ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ छिड़ी मुहिम में हमारे जवान हर मोर्चे पर मुंहतोड़ जवाब देने में पूर्ण सक्षम हैं।

जनसत्ता, २८ जनवरी, २००२

ess bee

रचनात्मक कार्यों से ही बच्चों का बहुमुखी विकास संभव : संदीप भूतोड़िया

मिलनश्री की ओर से आयोजित मेले 'कार्निवाल २००२' में (बाएं से) देव कुमार सराफ, तिलोक चंद डागा, संदीप भूतोड़िया, संपतमल बछावत व केवलचंद मिमानी।

कोलकाता, २८ जनवरी (जनसत्ता)। रचनात्मक कार्यों की नींव ही सामाजिक कार्यों की इमारत है। इसी तरह के कार्यों से बच्चों का बहुमुखी विकास संभव है। बृहत्तर बड़ाबाजार के इस घनी आबादी वाले क्षेत्र में इस तरह के मेले का आयोजन सराहनीय है। ये बातें, अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन, युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने मिलन श्री संस्था की ओर से आयोजित दो दिवसीय मेले के समापन सत्र में कही।

'मिलनश्री' की ओर से दो दिवसीय मेले का आयोजन संस्था के प्रांगण में किया गया। मेले में कई प्रकार के लजीज व्यंजनों की व्यवस्था थी। कई खेलों का भी आयोजन किया गया।

इस मौके पर बतौर प्रधान वक्ता त्रिलोकचंद डागा ने इस तरह के आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। संस्था के अध्यक्ष केवलचंद मिमाणी ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर मिलनश्री महिला समिति द्वारा आनंदलोक संस्था के लिए देवकुमार सराफ को ग्यारह हजार रुपए की राशि प्रदान की गई।

सराफ ने कहा कि, यह उनका सम्मान नहीं, बल्कि सच्ची सेवा का सम्मान है। उन्होंने समाज से आनंदलोक की मदद की अपील की।

आयोजन में छतरसिंह वैद, संपतमल बछावत व शोभा सादानी उपस्थित थे।

जनसत्ता, २९ जनवरी, २००२

ess bee

'जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट' द्वारा महाजाति सदन में आयोजित जोड़ासांकू क्षेत्र की 'अर्न्तविद्यालय देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रतियोगिता' के अवसर पर लिए गए चित्र में विजेता 'सेठ सूरजमल जालान बालिका विद्यालय' की छात्राओं को ट्राफी प्रदान करते हुए ट्रस्ट के चेयरमैन, जोड़ासांकू के विधायक श्री सत्यनारायण बजाज, मंचस्थ हैं श्री सुदीप बंद्योपाध्याय (सांसद), श्री तापस राय (विधायक), श्री विनोद विद्यासरिया (स्वागताध्यक्ष) एवं सर्वश्री संदीप भुतोड़िया, अनिल शर्मा, गौरीशंकर अग्रवाल, भूपिन्द्र सिंह सरना, अशोक झा, केवलचन्द मिमानी, रामचन्द्र बड़ोपोलिया, विनोद शर्मा, कैलाश केड़िया, रामाधीन शर्मा, नुरूद्दीन मोहम्मद जहांगीर, राजकुमार शर्मा, निर्मल भरतिया, सुशीला सिंघानिया, चन्द्रकान्त सराफ, केका चटर्जी, दीपक बंका, बासुदेव जालान, राकेश शर्मा, मो. राजू, मुन्नवर अली, खालिद इरफान, श्यामलाल दूबे, विजय गुप्ता, कमल झुनझुनवाला, पांचू भाई, नरेश शर्मा, उसमान जावेद, श्यामसुन्दर लोहिया, संजय सोनकर, हेमन्त भरतिया, काजल सिपाय, पम्मी धनानिया, सुरेश सिंघानिया, राजीव शर्मा, विमल शेखावत, राजू अइंगर, कनिज फातमा, नजमा आरिफ, माडो भाई, अंजुम आरा, गुफरान खान एवं अन्य। संचालन, सचिव दिनेश बजाज एवं सच्चिदानन्द पारीक व दीपक बंका ने किया। सुविख्यात गायक श्री विकास शर्मा ने अपने साथियों के साथ खचाखच भरे हाल से प्रशंसा लूटी।

मिलनश्री के कार्निवल २००२ में सुप्रसिद्ध युवा उद्योगपति श्री संदीप भुतोड़िया अध्यक्षीय भाषण देते हुए साथ में प्रधान अतिथि श्री तिलोक चन्द डागा, श्री डी. के. सराफ, श्री सम्पत मल बच्छावत एवं संस्था अध्यक्ष श्री केवलचन्द मिमानी।

सन्मार्ग, कोलकाता, बुधवार, ३० जनवरी, २००२

ess bee

मिलन श्री द्वारा ''कार्निवल २००२'' में सुप्रसिद्ध युवा उद्योगपति एवं अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा अध्यक्ष श्री संदीप भुतोड़िया अध्यक्षीय भाषण देते हुए साथ में प्रधानवक्ता श्री तिलोक चन्द डागा, आनन्द लोक के श्री डी.के. सराफ प्रधान अतिथि सर्वश्री सम्पतमल बछावत छतर सिंह बैद संस्था अध्यक्ष श्री केवल चन्द मिमानी उपाध्यक्ष श्री भैरव दत्त खेतान परिलक्षित हैं। दैनिक विश्वमित्र चित्र

दैनिक विश्वमित्र, कोलकाता, ३० जनवरी, २००२

ess bee

Thumbs Up

***TO INTERNATIONAL MARWARI FEDERATION YOUTH WING** for its decision to bear the cost of education of the children of the policemen who died in the terror strike*

TELEGRAPH, THURSDAY, 31 JANUARY 2002.

ess bee

अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन, युवा शाखा एवं प्रभा खेतान वेलफेयर ट्रस्ट की संयुक्त योजना 'एजुकेशन फार आल' एवं इंदिरा गांधी बर्थडे सेलीब्रेशन कमिटि के संयुक्त तत्वावधान में अलीपुर में आयोजित 'सिट एण्ड ड्रा' प्रतियोगिता रक्तदान शिविर, हार्ट चेकअप कैम्प के अवसर पर आयोजित समारोह में भाषण देते हुए सम्मेलन अध्यक्ष श्री सत्यनारायण बजाज, मंच पर मेयर श्री सुब्रत मुखर्जी, मेयर-इन-कौंसिल श्रीमती माला राय, बोरो चेयरमैन श्रीमती रूबी दत्ता, युवा शाखाध्यक्ष श्री संदीप भुतोड़िया, निदेशक श्री दिनेश बजाज संयोजक बजरंग मोदी, श्री आशीष चक्रवर्ती। (विश्वमित्र)

विश्वमित्र, कोलकाता, ६ फरवरी २००२

अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन, युवा शाखा एवं प्रभा खेतान वेलफेयर ट्रस्ट की संयुक्त योजना 'एजुकेशन फार आल' एवं इंदिरा गांधी बर्थडे सेलिब्रेशन कमिटि के संयुक्त तत्वावधान में अलीपुर में आयोजित 'सिट एण्ड ड्रा' प्रतियोगिता रक्तदान शिविर, हार्ट चेकअप कैम्प के अवसर पर आयोजित समारोह में भाषण देते हुए सम्मेलन अध्यक्ष श्री सत्यनारायण बजाज, मंच पर मेयर श्री सुब्रत मुखर्जी, मेयर- इन- कौंसिल श्रीमती माला राय, बोरो चेयरमैन श्रीमती रूबी दत्ता, युवा शाखाध्यक्ष श्री संदीप भुतोड़िया, निदेशक श्री दिनेश बजाज, संयोजक बजरंग मोदी, श्री आशीष चक्रवर्ती।

सन्मार्ग, कलकत्ता, ६ फरवरी २००२

ess bee

सुजानगढ़। सोनादेवी सेठिया गर्ल्स कालेज में आयोजित समारोह में डा. प्रभा खेतान सांस्कृतिक संस्थान की ओर से घोषित पुरस्कार वितरित करते राजेंद्र यादव। सुरेंद्र सैनी

घर से बाहर निकलने वाले ही साम्राज्य स्थापित करते हैं

■ निजी प्रतिनिधि

सुजानगढ़, 8 मार्च। प्रख्यात साहित्यकार व 'हंस' के संपादक राजेंद्र यादव ने कहा कि जीवन में सफलता वही प्राप्त कर सकता है जो अपने घर का मोह छोड़कर जीवन के खुले संघर्ष में प्रतिस्पर्धा में उतरता है। उन्होंने कहा कि समाज में अब तक रहे दलित वर्ग व महिलाओं के विकास का इतिहास अब शुरू होगा।

गौरव

- डा. प्रभा खेतान प्रतिभा सम्मान समारोह
- सीकर व फतेहपुर में भी इस वर्ष से शुरू होगा पुरस्कार

श्री यादव आज यहां श्रीमती सोनादेवी सेठिया बालिका महाविद्यालय में प्रभा खेतान प्रतिभा प्रोत्साहन संस्थान द्वारा साहित्य के क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बालिका महाविद्यालय में वर्ष 2000 व 2001 के साहित्य पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। श्री यादव ने कहा कि हमारी सामाजिक व्यवस्था व परंपराओं के चलते अब तक हमने महिला को उसकी प्रतिभा के अनुरूप विकास के समुचित अवसर नहीं दिए, मगर अब बदली परिस्थितियों में महिला व अब तक पिछड़े हुए वर्गों ने अपनी शक्ति को पहचानकर जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना शुरू किया है उससे यह निश्चित है कि उनके विकास का नया इतिहास बनेगा। उन्होंने कहा कि इतिहास उनका बनता है जो पूर्व अनुभवों के आधार पर निर्णय लेकर भविष्य के लिए अपना रास्ता स्वयं बनाते हैं।

श्री यादव ने हमारी सामाजिक व्यवस्था में अब तक रही कई खामियों पर बेबाक चोट करते हुए कहा कि हमने ज्ञान प्राप्त करने के लिए गुरु को सर्वोपरी स्थान देकर उसमें श्रद्धा व आस्था व्यक्त की, मगर वास्तविकता यह है कि गुरु केवल वही ज्ञान देता है जो (शेष पृष्ठ ९ पर

शेखावाटी भास्कर ९ मार्च २००२

सुजानगढ़। सोनादेवी सेठिया गर्ल्स कालेज में आयोजित समारोह में डा. प्रभा खेतान सांस्कृतिक संस्थान की ओर से घोषित पुरस्कार वितरित करते राजेंद्र यादव। *सुरेंद्र सैनी*

शेखावाटी भास्कर, शनिवार ९ मार्च, २००२

ess bee

घर से बाहर निकलने वाले ही साम्राज्य स्थापित करते हैं

■ निजी प्रतिनिधि

सुजानगढ़, 8 मार्च। प्रख्यात साहित्यकार व 'हंस' के संपादक राजेंद्र यादव ने कहा कि जीवन में सफलता वही प्राप्त कर सकता है जो अपने घर का मोह छोड़कर जीवन के खुले संघर्ष में प्रतिस्पर्धा में उतरता है। उन्होंने कहा कि समाज में अब तक रहे दलित वर्ग व महिलाओं के विकास का इतिहास अब शुरू होगा।

ब्योरा

- डा. प्रभा खेतान प्रतिभा सम्मान समारोह
- सीकर व फतेहपुर में भी इस वर्ष से शुरु होगा पुरस्कार

श्री यादव आज यहां श्रीमती सोनादेवी सेठिया बालिका महाविद्यालय में प्रभा खेतान प्रतिभा प्रोत्साहन संस्थान द्वारा साहित्य के क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बालिका महाविद्यालय में वर्ष 2000 व 2001 के साहित्य पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। श्री यादव ने कहा कि हमारी सामाजिक व्यवस्था व परंपराओं के चलते अब तक हमने महिला को उसकी प्रतिभा के अनुरूप विकास के समुचित अवसर नहीं दिए, मगर अब बदली परिस्थितियों में महिला व अब तक पिछड़े हुए वर्गों ने अपनी शक्ति को पहचानकर जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना शुरू किया है उससे यह निश्चित है कि उनके विकास का नया इतिहास बनेगा। उन्होंने कहा कि इतिहास उनका बनता है जो पूर्व अनुभवों के आधार पर निर्णय लेकर भविष्य के लिए अपना रास्ता स्वयं बनाते हैं।

श्री यादव ने हमारी सामाजिक व्यवस्था में अब तक रही कई खामियों पर बेबाक चोट करते हुए कहा कि हमने ज्ञान प्राप्त करने के लिए गुरु को सर्वोपरी स्थान देकर उसमें श्रद्धा व आस्था व्यक्त की, मगर वास्तविकता यह है कि गुरु केवल वही ज्ञान देता है जो (शेष पृष्ठ 8 पर)

व्यक्ति स्थापित कर सकता है जो अपने घर का मोह छोड़ता है। बाहर निकलने पर व्यक्ति को घर में मिलने वाली सुरक्षा के कवच की सीमा लांघकर संघर्ष में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वयं जूझना पड़ता है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे क्षितिज के पार के सच को पहचान कर सीमाओं के बंधन को तोड़ें और अपना रास्ता स्वयं तय करें। उन्होंने महिलाओं में साहित्य के प्रति रूझान पैदा करने के लिए प्रभा खेतान प्रन्यास द्वारा बालिका महाविद्यालय स्तर पर शुरू किए गए इस पुरस्कार के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रन्यास के संचालकों को बधाई दी। श्री यादव ने कहा कि शेखावाटी के प्रवासी उद्योगपतियों का अपनी माटी से जुड़ाव होना एक शुभ संकेत है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पुलिस अधीक्षक मधुसूदनसिंह ने की। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के इस अवसर पर बालिकाओं को साहित्य के क्षेत्र में पुरस्कार देकर प्रोत्साहित करने के लिए राजेंद्र यादव का आना हमारे लिए गौरव की बात है। श्री सिंह ने कहा कि श्री यादव एक ऐसे साहित्यकार के रूप में देश में स्थापित हैं जिन्होंने साहित्य के यथार्थ पर अपनी कलम चलाई है। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि वे आज ही से इस बात पर अमल करना शुरू कर दें कि हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी युवा सम्मेलन के अध्यक्ष व प्रवासी उद्योगपति संदीप भूतोड़िया ने प्रभा खेतान प्रन्यास की ओर से साहित्य का यह पुरस्कार आगामी दस वर्षों तक चालू रखने की घोषणा की। उन्होंने शेखावाटी में छात्राओं में साहित्य के प्रति रूझान में बढ़ोतरी के लिए वर्ष 2002 से दस हजार रुपए का यह पुरस्कार सीकर व फतेहपुर के बालिका महाविद्यालयों में भी शुरू करने की घोषणा की। प्रारंभ में राजेंद्र यादव, मधुसूदनसिंह व भूतोड़िया ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। समारोह में श्री यादव ने निबंध एवं कहानी लेखन के लिए महाविद्यालय की छात्रा सुमन शर्मा, सीमा चारण एवं दीप्ति जोशी को शाल, श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया।

घर से...

अतीत में उसके पास संचित किया हुआ होता है। वह आगे का रास्ता नहीं बताता क्योंकि उसके लिए उसका स्वयं का अनुभव नहीं होता। आवश्यकता इस बात की है कि हम उसे भी जानें जो हमारे सामने नहीं है। ऐसा करके ही हम आगे बढ़ सकते हैं। श्री यादव ने शेखावाटी से निकले प्रख्यात उद्योगपतियों की सफलता की चर्चा करते हुए कहा कि समाज में अपना प्रभुत्व व साम्राज्य वहीं

शेखावाटी भास्कर, शनिवार ९ मार्च, २००२

ess bee

इंटरव्यू

राजेंद्र यादव, *देश के प्रख्यात साहित्यकार*

औरत भी छवि बदलने की हकदार

■ नरेंद्र शर्मा

सीकर, 8 मार्च। भगवान हनुमान को आतंकवादी बताकर चर्चा में आए देश के जाने-माने लेखक राजेंद्र यादव ने अपने विवादास्पद वक्तव्य के बारे में स्पष्ट किया है कि उनका आशय हनुमानजी को आतंकवादी बताना नहीं था, बल्कि हनुमान रावण के लिए आतंकवादी थे।

उन्होंने कहा कि रावण के दरबार में हनुमान ने जिस तरह आतंक फैलाया था, उससे वे रावण की दृष्टि में आतंकवादी थे न कि समाज और धर्म की दृष्टि में। शुक्रवार को एक कार्यक्रम में भाग लेने आए प्रख्यात पत्रिका 'हंस' के संपादक श्री यादव ने साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर भास्कर के साथ बातचीत की। उन्होंने माना कि वर्तमान में साहित्य में नवीनता का अभाव बना हुआ है। नए विचार, नई दृष्टि की गुंजाइश भी साहित्य में बनी हुई है। एक परंपरागत ढांचे पर लेखन कार्य हो रहा है। साहित्य में अश्लीलता की पैरवी करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि समय के साथ परिवर्तन हर क्षेत्र में हुआ है, फिर साहित्य इससे कैसे बचा रह सकता है। श्री यादव ने माना कि वर्षों-वर्षों तक यह सोच दबी रही। कभी मर्यादाओं का पहरा तो कभी समाज का आक्षेप, लेकिन अब उन्मुक्तता का वातावरण है। आखिर कब तक हजारों वर्ष पुराने मर्यादा की सीमाओं में बंधे वजनी शब्दों के साथ साहित्य यात्रा कर पाएगा। एक वर्ग विशेष की इस भाषा को यदि साहित्य में स्थान दिया जा रहा है, तो क्या बुरा है।

> **"उन्मुक्त विचारधारा के लेखक यादव का कहना है कि नैतिकता का बोझ केवल औरत ही क्यों ढोवे। मर्यादा, सभ्यता और संस्कृति की वाहक केवल औरत ही नहीं है। उसे भी अपनी छवि बदलने की आजादी है।"**

उन्मुक्त विचारधारा के लेखक यादव का कहना है कि नैतिकता का बोझ केवल औरत ही क्यों ढोवे। मर्यादा, सभ्यता और संस्कृति की वाहक केवल औरत ही नहीं है। उसे भी अपनी छवि बदलने की आजादी है। एक आदर्श छवि के बंधन में औरत को कब तक बांधे रखेंगे। ईश्वर के अस्तित्व को पूरी तरह नकारते हुए श्री यादव ने कहा कि ईश्वर की भ्रांति व्यक्ति को निष्क्रियता की ओर से धकेलती है। ईश्वर से प्रारब्ध, प्रारब्ध से समर्पण (शेष पृष्ठ 8 पर)

औरत भी...

और समर्पण में निष्क्रियता तथा उद्यमहीनता का समावेश होता है। उन्होंने कहा कि धर्म उपदेश व्यक्ति को कमजोर और परजीवी बनाते हैं।

शेखावाटी भास्कर, शनिवार ९ मार्च, २००२

ess bee

लेखन में नई विधा का समावेश जरूरी- राजेन्द्र यादव

(पत्रिका संवाददाता)

[illegible], 8 मार्च। प्रख्यात साहित्यकार व 'हंस' पत्रिका के सम्पादक राजेन्द्र यादव ने कहा है कि हमने प्राप्त ज्ञान को बनाए रखने का प्रयास किया, लेकिन बीते वर्षों में हमने ज्ञान का कोई नया क्षेत्र [illegible] खोला इस पर विचार किया जाना चाहिए।

साहित्यकार यादव शुक्रवार को जिले की [illegible] के सोबदल्ला [illegible] स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में आयोजित डॉ. प्रभा खेतान पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने प्रभा खेतान द्वारा प्रतिभा पुरस्कार की शुरूआत करने को युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का सकारात्मक प्रयास बताते हुए कहा कि परम्परागत लेखन के साथ-साथ उसमें नई विधा को जोड़ना तथा विषय के साथ-साथ नव जानकारी युक्त सामाजिक [illegible] का लेखन में समन्वय करना साहित्य के विकास में निहित है। यादव ने कहा कि ऐसा कोई [illegible] नहीं रहा, जिसमें प्रश्नचिह्न नहीं खड़े हुए [illegible] प्रत्येक युग में इन प्रश्न चिह्नों का समाधान भी [illegible] गया है। इस समाधान को खोजने वाले [illegible] [illegible] जिज्ञासु लोग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा [illegible] पर छोड़ते हैं, उन्होंने साम्राज्य की स्थापना की है तथा दुनिया को जीता है। उन्होंने कहा कि [illegible] का अर्थ घर ही नहीं, बल्कि मन में भी है [illegible] हमने भौगोलिक घर छोड़ा है किन्तु मानसिक घर हममें छूट नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि गुरू ने ज्ञान तो दिया, लेकिन ज्ञान उतना ही दिया जितना वे जानते हैं, इसलिए तो श्रद्धा ने हमारी जिज्ञासा को कुचला है क्योंकि वह जो जानता है उसे जान गया, वह उससे आगे नहीं बढ़ सका। उनका कहना था कि ज्ञात [illegible] को जानना तथा जो हमारे सामने नहीं है उसे जानना ये दो प्रकार के ज्ञान हैं, इसलिए जिससे हम अनभिज्ञ हैं उसे जानने के लिए हम ज्ञान प्राप्त करना चाहिए और यह ज्ञान देने वाले पर निर्भर करता है। यादव ने कहा कि रटे हुए को रटाना ज्ञान देना नहीं है ज्ञान का सही मतलब तो वह है, जिसे हम जानकर ग्रहण करते हुए एक नई रचना का निर्माण करते हैं। उनका कहना था कि [illegible] का नाम ज्ञान नहीं श्रद्धा है, इसलिए हमें ज्ञान एवं श्रद्धा के बीच भेद करने पर विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि जिसके पास भविष्य नहीं है वह बूढ़ा होता है और जिसके पास भविष्य है वह नवजात है जो एक अनजान ज्ञान देकर भविष्य [illegible] बनता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला पुलिस अधीक्षक मधुसूदन सिंह ने कहा कि ज्ञान वह क्षेत्र है जिसमें आज तक कोई परिपूर्ण नहीं हो सका है, क्योंकि ज्ञान तो ज्ञान से चलने वाली अनवरत प्रक्रिया है। समारोह के विशिष्ट अतिथि अन्तरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा के अध्यक्ष सन्दीप भूतोड़िया ने प्रभा खेतान प्रतिभा पुरस्कार की पृष्ठ भूमि को रेखांकित करते हुए कहा कि यह प्रतिभा पुरस्कार लगातार दस वर्षों तक दिया जाएगा। कमल माथुर ने भी विचार प्रकट किए। इससे पूर्व महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सन्तोष व्यास ने स्वागत भाषण के साथ महाविद्यालय, शिक्षा एवं शिक्षक की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वन्दना से शुरू हुए इस समारोह में [illegible] ओझा ने [illegible] प्रस्तुत किया, जबकि छात्राओं ने "[illegible]" राजस्थानी के लोकगीत के साथ नृत्य कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। व्याख्याता श्रीमती [illegible] शर्मा ने अतिथियों का परिचय दिया। साहित्यकार यादव ने सुश्री [illegible] को निबन्ध पर तथा [illegible] को लेखन पर वर्ष 2000 का तथा सुश्री दीप्ति जोशी को उनकी कहानी मंथन पर वर्ष 2001 के प्रभा खेतान पुरस्कार से सम्मानित किया। छात्रा संघ अध्यक्ष सुश्री रचना प्रजापत ने आभार प्रकट किया तथा [illegible] शर्मा व [illegible] आदि ने अतिथियों का [illegible] किया।

दीप्ति की कहानी 'मंथन' पुरस्कृत

क्रिकेट टीम को पाक न्योता नामंजूर

नई दिल्ली, 8 मार्च (वार्ता)। भारत ने [illegible] भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान [illegible] [illegible]

विमान क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, 8 मार्च (वार्ता)। [illegible] [illegible] कि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ [illegible] को मामूली नुकसान पहुंचा है। [illegible] [illegible] अनुसंधान कर रहा है।

विमान पर फायरिंग की जांच जल्द पूरी

नई दिल्ली, 8 मार्च (वार्ता)। हाल ही में [illegible] के निकट एयर मार्शल वी.के. भाटिया [illegible] एन. 32 विमान पर हुई फायरिंग [illegible] जांच जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। यह जानकारी [illegible] सूत्रों ने दी।

[illegible] में लगातार ऐसी विरोधाभासी खबरें [illegible] हैं कि इस विमान पर गोली पाकिस्तानी सेना ने चलाई या भारतीय सेना ने। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के सभी पहलुओं की जांच एयर मार्शल एस.एस. सेखों की अध्यक्षता में की जाएगी।

यह घटना [illegible] साप्ताहिक न्यूज वीकली पत्रिका की रिपोर्ट के बाद प्रकाश में आई थी। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि फरवरी के अंतिम सप्ताह में पाकिस्तानी सेना ने पश्चिमी वायु कमान के कमांडिंग [illegible] एयर मार्शल भाटिया को ले जा रहे विमान पर गोली चलाई थी। एयर मार्शल भाटिया सेना की स्थिति का जायजा लेने के लिए सीमा पर गए थे।

गुजरात की घटनाओं से सिर शर्म से झुका-राष्ट्रपति

पेट्रोलियम क्षेत्र नियंत्रण मुक्त

नई दिल्ली, 8 मार्च (वार्ता)। सरकार ने पेट्रोल और डीजल आदि पेट्रोलियम ईंधनों के विपणन का अधिकार प्रदान करने के लिए छह सूत्री दिशा-निर्देश की शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी।

संसद के दोनों सदनों में इस बारे में [illegible] वक्तव्य के बाद पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री राम नाइक ने संवाददाताओं को बताया कि नए दिशा-निर्देश पेट्रोलियम क्षेत्र को पूरी तरह नियंत्रणमुक्त करने के उद्देश्य से जारी किए गए हैं।

अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोलियम क्षेत्र में दोहन, उत्पादन, शोधन, पाइप लाइन अथवा टर्मिनलों में नई कम्पनियों के लिए [illegible] 2000 करोड़ रुपए की निवेश सीमा तय की गई है। नाइक ने बताया कि चार सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों के अलावा अब [illegible] अधिक सार्वजनिक उपक्रम,

छह सूत्री अधिसूचना जारी

संयुक्त उद्यम और निजी कम्पनियां परिवहन ईंधन के विपणन के लिए पात्र होंगी। उन्होंने कहा [illegible] कम्पनियां [illegible] क्षेत्र में 2000 करोड़ [illegible] निवेश [illegible] करेंगी वे भी परिवहन ईंधन विपणन का काम करने के लिए पात्र मानी जाएंगी।

नाइक ने उम्मीद जताई कि नए दिशा-निर्देशों से पेट्रोलियम क्षेत्र के नियंत्रण मुक्त होने पर प्रतिस्पर्द्धा का नया दौर शुरू होगा जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। नए दिशा-निर्देशों का खुलासा करते हुए नाइक ने कहा कि पेट्रोलियम विपणन के काम में लगी मौजूदा कम्पनियां खुदरा नेटवर्क में नहीं [illegible] रेंगी। अलबत्ता मौजूदा समझौते के [illegible] जाने के बाद खुदरा [illegible] [illegible] स्वतंत्र होंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया [illegible] [illegible] कम्पनी के लिए [illegible] मौजूदा [illegible] अथवा पात्र [illegible] [illegible] होना चाहिए। [illegible] का विपणन करने [illegible] पात्र [illegible] ओएनजीसी, ओआईएल, [illegible] रिफाइनरीज, चेन्नई रिफाइनरीज, नुमालीगढ़ रिफाइनरीज, रिलायंस, एस्सार, मैंगलूर रिफाइनरीज और एलएनजी पेट्रोनेट होंगी।

बढ़ी हुई सुरक्षा राशि जमा

राज्य के तीन स्थानों से कर्फ्यू हटाया

[कार्यालय संवाददाता]

जयपुर, 8 मार्च। गुजरात में भड़की हिंसा के विरोध में एक मार्च को राजस्थान बंद के दौरान राज्य के तीन स्थानों पर लगाए गए कर्फ्यू को आज स्थिति सामान्य होने पर हटा लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अजमेर जिले के किशनगढ़ एवं डूंगरपुर जिले के सीमलवाड़ा कस्बों में शांति [illegible]

8 March 2002.

जापान की लंबी यात्रा के बाद भूतोड़िया स्वदेश लौटे

सीकर, 7 मार्च (काप्र)। शेखावाटी जनपद के प्रख्यात युवा उद्योगपति व अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन की युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया जापान के औद्योगिक क्षेत्रों का अध्ययन कर लंबे प्रवास के बाद हाल ही में स्वदेश लौटे हैं। उन्होंने जापान में कई औद्योगिक प्रतिष्ठानों का दौरा कर वहां की नवीनतम तकनीकी प्रगति की जानकारी ली। श्री भूतोड़िया इन प्रतिष्ठानों के विशेष आमंत्रण पर वहां गए थे। उन्होंने जापान के राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्रों में प्रभावशाली अनेक लोगों से भी मुलाकात की तथा भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में विचारों का आदान प्रदान किया। श्री भूतोड़िया जापान डैकियोजी मंदिरों के प्रमुख बौद्ध धर्म गुरु उचिदा से भी मिले तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री भूतोड़िया कल एकदिवसीय प्रवास पर अपने पैतृक गांव सुजानगढ़ आएंगे, जहां सोना देवी सेठिया बालिका महाविद्यालय में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

जापान के डैकियोजी मंदिरों के प्रमुख बौद्ध धर्म गुरु 'उचिदा' के साथ टोकियो में प्रवासी उद्योगपति संदीप भूतोड़िया।

शेखावाटी भास्कर, गुरूवार ८ मार्च २००२

ess bee

डा. प्रभा खेतान प्रतिभा पुरस्कार समारोह कल

■ निजी प्रतिनिधि

सुजानगढ़, 6 मार्च (निप्र)। डा. प्रभा खेतान सांस्कृतिक संस्थान द्वारा देशभर में महिलाओं में साहित्यिक लेखन के प्रति अभिरुचि पैदा करने के उद्देश्य से महाविद्यालय स्तर पर बालिकाओं को पुरस्कार देने की अभिनव योजना शुरू की है।

योजना के तहत प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा प्रभा खेतान पुरस्कार की घोषणा की गई है। पुरस्कार वितरित करने के लिए यहां सोना देवी सेठिया कालेज में कल आठ मार्च को एक समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में वर्ष 2000 व 2001 के साहित्यिक पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। वर्ष 2000 का साहित्यिक पुरस्कार संयुक्त रूप से महाविद्यालय की छात्रा कुमारी सुमन शर्मा तथा सीमा चारण को उनकी कहानी 'विदाई' व निबंध 'पुनरुत्थान का खतरा' और साहित्य पर दिया जाएगा। पुरस्कार दस हजार रुपए का है, अत: दोनों छात्राओं को पांच-पांच हजार रुपए तथा शाल देकर सम्मानित किया जाएगा। महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती संतोष व्यास के अनुसार वर्ष 2001 का पुरस्कार छात्रा कुमारी दीप्ति जोशी को दस हजार रुपए व शाल उसकी कहानी 'मंथन' पर प्रदान किया जाएगा। प्राचार्य श्रीमती व्यास ने बताया कि **शेष पृष्ठ 9 पर)**

डा. प्रभा...

पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि देश के सुपरिचित साहित्यकार व हंस पत्रिका के संपादक राजेंद्र यादव प्रदान करेंगे। समारोह की अध्यक्षता चूरू के पुलिस अधीक्षक मधुसूदनसिंह करेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी युवा सम्मेलन के अध्यक्ष व प्रभा खेतान सांस्कृतिक संस्थान के न्यासी संदीप भूतोड़िया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

दैनिक भास्कर, जयपुर शुक्रवार ८ मार्च २००२

ess bee

प्रभा खेतान पुरस्कार दीप्ती जोशी को

हंस के संपादक राजेन्द्र यादव आज आएंगे

सुजानगढ़, 7 मार्च [नि.सं.]। यहां सोना देवी सेठिया कन्या महाविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित होने वाले डॉ. प्रभा खेतान पुरस्कार वितरण समारोह में हंस के संपादक व प्रख्यात साहित्यकार राजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि होंगे।

महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती संतोष व्यास ने बताया कि यह पुरस्कार गत वर्ष सुमन शर्मा व सीमा चारण को उनके श्रेष्ठ लेखन के लिए दस हजार रुपए की राशि के रूप में दिया गया। इस वर्ष दीप्ती जोशी को उनकी कहानी 'मंथन' के लिए दिया जाएगा। पुरस्कार साहित्यकार व संपादक राजेन्द्र यादव प्रदान करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पुलिस अधीक्षक मधुसुदन सिंह करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा प्रदान किया जाता है।

राजस्थान पत्रिका, जयपुर, शुक्रवार ८ मार्च २००२

राजेंद्र यादव आज सुजानगढ़ आएंगे

सुजानगढ़, 7 मार्च (निप्र)। डा. प्रभा खेतान सांस्कृतिक संस्थान द्वारा आठ मार्च को सोनादेवी सेठिया कालेज में आयोजित होने वाले प्रतिभा पुरस्कार सम्मान समारोह में प्रख्यात कहानीकार व 'हंस' के संपादक राजेंद्र यादव आएंगे। वे समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक मधुसूदनसिंह करेंगे व प्रख्यात युवा उद्योगपति संदीप भूतोड़िया विशिष्ट अतिथि होंगे।

शेखावाटी भास्कर, शुक्रवार ८ मार्च २००२

ess bee

नई कहानी के दृष्टा राजेंद्र यादव

साहित्य मीडिया से घबराए नहीं

■ श्रीकान्त खटोड़

सीकर, 9 मार्च। मीडिया की घेराबंदी व उसके बढ़ते प्रभाव के कारण साहित्य पर संकट तो है, परंतु इससे उसको घबराने की जरूरत नहीं। देश के चोटी के साहित्यकार व साहित्य में नई कहानी के दृष्टा राजेंद्र यादव चूरू जिले के सुजानगढ़ कस्बे में एक समारोह में भाग लेने के पश्चात सीकर भास्कर कार्यालय आए तो उनसे अनौपचारिक बातचीत की गई।

साहित्य पर हर काल में संकट आया है परंतु कालजयी साहित्य अटल रहा है, समाज का पथ प्रदर्शक बनकर। कालिदास तुलसी, सूर, मीरा, निराला, प्रसाद, प्रेमचंद की रचनाएं इस बात का ज्वलंत प्रमाण है। श्री यादव का कहना था कि इलेक्ट्रानिक मीडिया की चकाचौंध ने युवा पीढ़ी को भ्रमित जरूर कर रखा है और साहित्य भी इससे प्रभावित है, परंतु यह स्थिति अधिक रहने वाली नहीं है। साहित्य के पाठकों की संख्या में जो गिरावट आई है उसके लिए साहित्यकार खुद भी जिम्मेदार है। अच्छा लिखा जाएगा तो

उसको पढ़ने वालों की कमी नहीं रहेगी। 'चंद्रकांता संतति' उपन्यास को पढ़ने के लिए कई गैर हिंदी भाषी लोगों ने हिंदी पढ़ना सीखा था, किंतु आज वैसी रचना लिखी ही नहीं जा रही तो पाठक कहां से आएंगे। दरअसल मुद्रण का जो संकट है उससे निबटने के लिए साहित्य को दिशा तय करनी होगी। साहित्यकार को दृष्टि व विचार देना होगा, तभी हम मिडिया के हमलों से अपने को सुरक्षित रख पाएंगे।

राजेंद्र यादव प्रतिष्ठित पत्रिका हंस के संपादक है। श्री यादव ने करीब डेढ़ सौ से अधिक कहानी व अनेक उपन्यास लिखे हैं, जिनमें सारा आकाश समेत कई रचनाओं को प्रसिद्धि मिली है। उनकी नवीनतम कृति मुड-मुड कर न देख है जिसमें आत्मकथा का वर्णन है। परंपरागत कहानी को नई कहानी का नाम देकर उसे आम आदमी की पीड़ा के साथ जोड़ने में यादव सहित सुप्रसिद्ध कथाकार कमलेश्वर, स्व. मोहन राकेश का बहुत बड़ा योगदान रहा है। जब भी नई कहानी की चर्चा होती है इन तीनों का नाम प्रमुख रूप से आता है।

शेखावाटी भास्कर, रविवार १० मार्च, २००२

ess bee

संभावनाओं में ही तो जीते हैं हम सभी

संदीप भूतोड़िया

हम सभी तो संभावनाओं में ही जीते हैं। सारी गठजोड़ और जोड़ तोड़ की राजनीति का दूसरी बात से तो संबंध है कि अरे ऊंट बैठेगा- पर किस करवट? यह तो देखने वाले बताएं कि वो किस करवट बैठेगा। उसे दाहिने या बाएं में से किसी एक करवट तो बैठना ही है। किसी की हार और किसी की जीत तो होनी ही है। ये सारे तो द्वंद्व समास है। हार के साथ जीत, सत्ता के साथ जनता, केंद्र के साथ परिधि। अब कौन कहां पर बैठेगा इसी की हम व आप सभी चर्चा करते हैं। क्या केंद्र का प्रभाव परिधि पर पड़ेगा और हां तो किस रूप में। वैसे यह वे प्रश्न नहीं उठने चाहिए थे क्योंकि हमारे सर्वप्रभुता संपन्न गणराज्य की नियमावली में केंद्र व राज्य की भूमिकाएं पहले से निर्धारित की जा चुकी हैं। राजनीति वह खेल है जो हमेशा संवैधानिक नियमों के विपरीत ही खेला जाता है और यह अदम्य सत्य है कि राजनैतिक विकास का मतलब ही है कि जो न सोचा हो वह घटे। जो राजनैतिक संदर्भ है, वह अदृश्य ही है! यदि ऐसा नहीं होता तो विरोधी पक्ष अभी से विकल्प की राजनीति के बारे में सोचना शुरू नहीं करता। एक ओर सोनिया गांधी-ज्योति बसु के प्रधानमंत्री पद हेतु अभी आपत्ति न होने का इजहार करती है तो दूसरी ओर राज्य में ममता बनर्जी के पक्ष में बोलती हुई भी नजर आती है। ज्योति बसु अपनी ऐतिहासिक भूल को भूल नहीं पाए है लेकिन अतीत की गलतियों को विपक्ष आज दोहराना नहीं चाहता। न सोनिया गांधी, न ज्योति बसु और न मुलायम सिंह। क्योंकि इतना वे जरूर समझ चुके हैं कि आजादी अहम की टकराहट का फायदा भाजपा को मिलता रहा है। हो सकता है कि मुलायम सिंह नहीं अड़ते तो सोनिया गांधी प्रधानमंत्री होती या फिर पोलित ब्यूरो अपनी जीवात्म सिद्धांत से नहीं चिपकाए रहता तो ज्योति बसु प्रधानमंत्री होते और बंगाल का काया पलट हो चुका होता। ऐसा लगता है कि राजनीति में अब सिद्धांतों की जरूरत खत्म हो गई है और सिद्धांतों के चलते अब न दोस्ती होती है और न ही दुश्मन आपस में टकराते हैं। तमिलनाडु में जहां जयललिता कांग्रेस के सहारे मैदान में उतरी हैं वहीं पड़ोस के पांडिचेरी में वे कांग्रेस से लड़ रही है। सिद्धांत अब महज एक बहाना है। जरूरत है कि सत्ता में कौन कैसे आए और कब तक टिका रहे। राजनेताओं ने सिर्फ एक सिद्धांत को भलीभांति अपनाया है और वह है सफलता का। सफलता कैसे मिली? ये जानने-सुनने-पूछने की जरूरत नहीं है। इसके लिए जो भी, जैसा भी मुखौटा लगाने की जरूरत है वह लगा दिया जाए। यह बात आज हर नेता समझने लगा है। लेकिन जनता नहीं समझती। लोगों की भीड़ जो चाहे, जिस दिशा में चाहे हांके जाए। जनता प्रतिरोध करती है वोट के जरिए और अपने वोट के जरिए बार-बार यह बता देना चाहती है कि हम इतने नादान नहीं जितना की आपने हमें समझा। यही वह भय है जिसके कारण तमाम विरोधाभासों के बावजूद राजनेता एक-दूसरे को थामे रहना चाहते हैं। हम जनता को क्या जवाब देंगे?

यह समस्या एक अदने से पार्टी कैडर की भी है और समझौता-परस्ती का दबाव यदि ऊपर से बहुत अधिक पड़ता है तो कहने को तो पार्टी कैडर समझौता कर लेते हैं लेकिन उनका हाथ कभी भी हिल जाता है। प्रतिरोध का एक उदाहरण है मेदिनीपुर में तृणमूल के उम्मीदवार की चुनाव से हटने की घोषणा। ममता बनर्जी को वहां जाकर धरना देना पड़ा। नेता अपने कार्यकर्ताओं के सामने भविष्य में और अधिक निराश होंगे। जान हम दें और राज आप करें। हम तो अपनी पहचान बनाएं कि हमारा रंग लाल है, केसरिया है या तिरंगा और आप व्यक्तिगत स्तर पर व्यक्तिगत अहम के चलते जब चाहे और जिससे चाहें समझौता कर लें। वोट के पहले या वोट के बाद जनता की तो वही स्थिति रहती है- हर नेता उसको रोटी, कपड़ा और मकान देने को मजबूर हैं। कोई भी राजनीतिक दल हिंसा को लंबे समय तक पनपने नहीं दे सकता। जहां तक मध्यम वर्ग का सवाल है यानि शिक्षित वर्ग, हमारा बौद्धिक वर्ग वह तो इस जोड़-तोड़ से इतना ऊब गया है कि उसकी नौकरी सुरक्षित है और न ही मुहल्ला। वह नहीं जानता कि कल उसे किस पार्टी की हां में हां मिलाना होगा। इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है बंगाल का औद्योगिक वर्ग। किसी भी मायने में वे मार्क्सवादी नहीं हैं। यह वर्ग न तो पार्टी कामरेड की भाषा समझते हैं और न ही उन्हें सर्वहारा से कुछ लेना-देना है (सर्वहारा किसे कहते हैं, यह भी वे नहीं जानते), मगर वे पहले ज्योति बाबू को देखकर वोट देते थे और आज भी इसलिए पार्टी को जिताएंगे क्योंकि इस पार्टी की छांव तले, तमाम मुश्किलों के बावजूद वे सुरक्षित है। यह हौसला उन्हें तृणमूल के नेता नहीं दे पाते। क्योंकि जिसकी सरकार-पुलिस हो वही तो वक्त पर काम आएगा। यह बड़े व्यवहारिक तर्क है, इन तर्कों को काटने में शायद एक क्षण लगे लेकिन इस निर्णय पर पहुंचने में जनता को, वर्षों का समय लगा है।

बहुत कुछ खोकर उसने समझा है कि जिसे राज करना है वो करे। जिसे वोट देना होगा- हम देंगे। मगर इसमें अधिक कुछ नहीं। जहां तक संवैधानिक स्थिति का सवाल है- क्षेत्रीय स्तर पर भाजपा की हार से जरूरी नहीं कि लोकसभा में भी सरकार का संतुलन गड़बड़ा जाए। राज्यसभा में होने वाले परिवर्तन को या राज्यसभा के स्तर पर डाली गई रुकावटें भी देर से महसूस की जाएंगी। यह तय है कि पांच राज्यों के चुनावी नतीजे भविष्य में होने वाले लोकसभा चुनावों को प्रभावित नहीं करेंगे। राजस्थान और दिल्ली विस चुनावों में कांग्रेस जीती थी वहीं कर्नाटक भाजपा की झोली में गया था। दूसरी तरफ लोकसभा के चुनावों में दिल्ली व राजस्थान में फिर भाजपा ने बाजी मारी। केरल में भाजपा की मौजूदगी नगण्य है। तमिलनाडु में यह दल एक छोटा सहयोगी मात्र है और पश्चिम बंगाल में अब तक भाजपा की भूमिका नगण्य ही रही है। असम में असम गण परिषद के साथ जुड़ने के बावजूद यह अपनी विश्वसनीयता और भविष्य को लेकर आशंकित है।

भविष्य में उत्तर प्रदेश में यदि हम एक भिन्न स्थिति देखते हैं तो हमें चौकना नहीं चाहिए। बार-बार सरकार यह बताना चाहती है कि विधानसभा चुनाव, केंद्रीय सरकार के कामकाज पर जनमत संग्रह नहीं है जहां तक विपक्ष का सवाल है वह प्रलाप करता रहेगा और अपनी कही बातों को कहता रहेगा। यह जरूर है कि तमिलनाडु का चुनावी परिणाम हमेशा से दिल्ली का भविष्य निर्धारित करता आया है और इस बार भी करेगा। मगर असम या केरल में जीतने से लाल किला पर झंडा फहराने का सपना किसी दल के नेता का पूरा नहीं हो सकता।

ऐसा मानना चाहिए कि जहां केरल में, पश्चिम बंगाल में वामपंथी और कांग्रेस के बीच भयंकर संघर्ष हो वही यह अपेक्षा की जा रही है दिल्ली में वे एक होकर सशक्त विपक्ष की भूमिका का निर्वाह करेंगे। चुनावों के नतीजे जो भी हो विपक्ष विभाजित ही रहेगा क्योंकि मुलायम सिंह को सोनिया गांधी से एलर्जी है तो वह दूर होती नहीं दिखती। यानी जो विपक्ष है वह कांग्रेस व तीसरे फ्रंट को लेकर बनता है और वह अब भी उतना ही टूटा हुआ है जितना पहले था। दो साल पहले राष्ट्रपति के बुलावे के बावजूद सोनिया प्रधानमंत्री नहीं बन सकी और न भविष्य में बनने की संभावना नजर आ रही है। यह भी हो सकता है कि विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद कांग्रेस यह कहे कि उनकी पांचों अंगुलियां घी में है। क्योंकि कांग्रेस ने यही सोच कर पांचों जगह तालमेल किया है कि उनकी ही सरकारें पांचों जगह बनेगी और यदि ऐसा हुआ तो सहयोगी दल केंद्र में उसका समर्थन करेगा। लेकिन इसकी संभावना क्षीण ही है। यदि बंगाल में वामपंथी फिर सत्ता में बैठते हैं तो केरल में हारने के बावजूद दिल्ली में ज्यादा ताकतवर होंगे। नतीजतन आपसी जोड़ तोड़ की राजनीति में और सफल होकर उभरेगी। भाजपा ने बंगाल में तो यह साबित कर ही दिया है कि भले वो जीते या नहीं, लेकिन कई जगहों में वो उम्मीदवारों को हराने में अहम भूमिका निभा रही है। यह सारी गणनायें राजनीतिक दलों के समीकरण पर आधारित है और सब इस पर निर्भर है कि ऊंट किस करवट बैठेगा। हो सकता है कोई व्यवहारिक नुस्खा निकले और देश फिर मध्यावधि चुनाव के मुहाने पर खड़ा नजर आए। शेषन ने कभी कहा था- 'क्या फर्क पड़ता है इतने बड़े देश में यदि ६००-७०० करोड़ रुपए खर्च होता है तो होता रहे मगर चुनावी प्रक्रिया से गुजरने से जनमत और मजबूत होता ही है।

लोकतंत्र में हमें इसी जनमत की जरूरत है, अहम्ग्रस्त नेताओं की नहीं।

जनसत्ता 13 मार्च 2002

शेखावाटी महोत्सव का उद्घाटन बैरवा करेंगे

चूरू, 26 मार्च (निप्र)। जिला मुख्यालय पर स्थानीय इन्द्रमणी पार्क में 30 मार्च को प्रभा खेतान फाउंडेशन के सौजन्य व सम्प्रति तथा जार के तत्वावधान में होने वाले शेखावाटी महोत्सव का उद्घाटन समाज कल्याण मंत्री बनवारी लाल बैरवा करेंगे। जानकारी देते हुए संप्रति के अध्यक्ष राधेश्याम चोटिया ने बताया कि इस अवसर पर समारोह के विशिष्ट अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक लक्ष्मण मीणा होंगे, जब कि समारोह की अध्यक्षता अन्तरराष्ट्रीय युवा मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया करेंगे। जार के महासचिव संतकुमार सारस्वत ने बताया कि शेखावाटी महोत्सव में शेखावाटी अंचल की अनेक चंग पार्टियां (शेष पृष्ठ 8 पर)

शेखावाटी...

प्रदर्शन करेगी। संप्रति के किशन उपाध्याय ने बताया कि समारोह का मुख्य आकर्षण राजस्थानी लोक गायिका सीमा मिश्रा व मुकेश बांगड़ा होंगे। समारोह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

शेखावाटी भास्कर, बुधवार २७ मार्च, २००२

ess bee

शेखावाटी महोत्सव का टीवी पर सीधा प्रसारण होगा

चूरू, 27 मार्च (निप्र)। यहां इन्द्रमणी पार्क में तीस मार्च को प्रभा खेतान फाउंडेशन के सौजन्य व संप्रति एवं जार के तत्त्वावधान में होने वाले शेखावाटी महोत्सव का टीवी पर सीधा प्रसारण गोयल केबल द्वारा किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संप्रति के अध्यक्ष राधेश्याम चोटिया ने बताया कि शेखावाटी महोत्सव में चूरू, झुंझुनूं व सीकर जिलों की अनेक टीमें धमालों की लयकारी के साथ लोक नृत्यों की सांगोपांग प्रस्तुतियां देंगी। इसके अलावा लोकगायिका सीमा मिश्रा व मुकेश बागड़ा इस अवसर पर राजस्थानी गीतों की प्रस्तुतियां देंगे। स्व. कलाकार हरिप्रसाद ओझा की स्मृति में होने वाले इस महोत्सव की कवरेज के लिए प्रति वर्ष की भांति इस बार भी अनेक टीवी चैनलों के प्रतिनिधि आएंगे। आयोजन प्रमुख पत्रकार काशीराम शर्मा ने बताया (शेष पृष्ठ 9 पर)

शेखावाटी...

कि महोत्सव का उद्घाटन राज्य के समाज कल्याण मंत्री बनवारीलाल बैरवा करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि पंचायतीराज राज्यमंत्री भंवरलाल मेघवाल होंगे और अध्यक्षता बीकानेर मंडल के पुलिस उप महानिरीक्षक लक्ष्मण मीणा करेंगे। इनके अलावा अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन की युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया, झुंझुनूं के जिला कलेक्टर ए.सी. भट्ट, चूरू जिला कलेक्टर रामावतार रघुवंशी, पुलिस अधीक्षक मधुसूदन सिंह, जार के प्रदेश अध्यक्ष अनिल माथुर, मुख्यमंत्री के उप सचिव सुनील धारीवाल, इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जार के संतकुमार सारस्वत ने बताया कि सांसद रामसिंह कस्वा, जिला प्रमुख रामदेव डाका, रतनगढ़ के विधायक जयदेव प्रसाद इंदोरिया, पूर्व सांसद नरेंद्र बुडानिया, विधायक राजेंद्रसिंह राठौड़, पूर्व मंत्री अश्क अली टांक, सरदारशहर के विधायक भंवरलाल शर्मा, सादुलपुर के विधायक नंदलाल पूनिया, जार की प्रदेश महिलाध्यक्ष नर्बदा इंदोरिया, भाजपा के जिलाध्यक्ष बनवारीलाल शर्मा, एवं पालिकाध्यक्ष गौरीशंकर मंडावेवाला को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

दैनिक भास्कर, चूरू, गुरूवार २८ मार्च, २००२

ess bee

चूरू। संप्रति एवं जार के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित शेखावाटी महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए समाज कल्याण राज्यमंत्री बनवारीलाल बैनाड़ा, साथ खड़े हैं अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी युवा सम्मेलन के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया, राज्यमंत्री भंवरलाल मेघवाल एवं विधायक पं. जयदेवप्रसाद इंदोरिया, दूसरे चित्र में चंग नृत्य करते हुए कलाकार। गिरधारी सैनी

चूरू में राजस्थान पत्रकार संघ (जार) एवं सम्प्रति की ओर से आयोजित 18वें शेखावाटी महोत्सव अन्तर्गत रंगीली सांझ में लोक नृत्य प्रस्तुत करती लोक कलाकार। फोटो: शैलेन्द्र सोनी

शेखावाटी भास्कर, १ अप्रैल २००२

ess bee

सीकर, चूरू, झुंझुनूं 3

गीत, संगीत और आवाज की कशिश में दर्शक नाचे और खो गए

चूरू में 18 वां शेखावाटी महोत्सव

(पत्रिका संवाददाता)

चूरू, 31 मार्च। राजस्थान पत्रकार संघ (जार) एवं सम्प्रति के तत्वावधान में 18वें शेखावाटी महोत्सव अन्तर्गत प्रभा खेतान फाउण्डेशन कोलकाता के सौजन्य से आयोजित चंग नृत्य प्रतियोगिता एवं लोक गायिका सीमा मिश्रा की गायकी ने ऐसा समा बांधा की लोग रात्रि के तीसरे पहर तक डटे रहे।

शनिवार की रात्रि को स्व. हरिप्रसाद ओझा की स्मृति में आयोजित चंग नृत्य प्रतियोगिता में जहां शेखावाटी अंचल के कलाकारों ने दर्शकों को खूब नचाया वहीं सीमा मिश्रा, मुकेश बागड़ा व रूपसिंह शेखावत की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।

स्थानीय इन्द्रमणी पार्क में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण मंत्री बनवारीलाल बैरवा, अध्यक्षता कर रहे प्रभा खेतान फाउण्डेशन के न्यासी सन्दीप भूतोड़िया, अतिथि पंचायत राज राज्यमंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल आदि के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं चंग नृत्य के साथ शुरू हुई इस रंगीली सांझ में उमड़ती भीड़ ने कलाकारों का तालियों से स्वागत किया। चूरू की कृष्णा डप मण्डली के उद्‌घाटन प्रदर्शन के बाद राजलदेसर की गांधी गिन्दड़ कला मण्डल के कलाकारों ने जब गिन्दड़ नृत्य की प्रस्तुति दी तो दर्शक ने इन कलाकारों को खूब उत्साहित किया।

उभरती युवा गायिका सीमा मिश्रा ने जब अपना पहला गीत ''मिसरी को बाग लगादे रसिया...'' गाया तो दर्शक अपने आपको रोक नहीं सके। लगभग 20 हजार की दर्शकों की उपस्थिति में उत्साहित युवा गायक मुकेश बागड़ा के गीत ''गौरड़ी कर सोळा सिणगार चाली पाणी ने पणिहार...'' व ''आज्या म्हारी फूलझड़ी मालण की बाड़ी में...'' गीत गाया तो दर्शकों ने खूब दाद दी।

सीमा मिश्रा के गीत ''घड़लो घड़े पर टोकणी, कुवे पर एकली...'' तथा ''चांद चढ्यो गिगनार...'' पर तो पूरी दर्शक दीर्घा थिरक उठी। राज्य के नामी नृतक रूपसिंह शेखावत, नृत्यांगना सन्तोष मारू, आकांक्षा, प्रीति, पूजा, निष्ठा, संगीता व मिनाक्षी ने चरी नृत्य से दर्शकों में उत्साह का संचार किया। सन्तोष के कालबेलिया नृत्य पर तो दर्शक अति उत्साहित नजर आए।

चंग नृत्य प्रतियोगिता के रूप में सजाए गए इस कार्यक्रम में लोक गीत-संगीत व चंग नृत्य का ऐसा संगम हुआ कि यह सांझ एक यादगार आयोजन बन गई। चंग प्रतियोगिता में प्रथम रही सुभाष डप मण्डली रतननगर के चंग कलाकारों की प्रस्तुति ने अपनी अनुपम चंग नृत्य शैली से न केवल दर्शकों को नचाया बल्कि प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान पर रही रामगढ़ शेखावाटी की हनुमान गिन्दड़ मण्डली तथा तृतीय स्थान पर रही करणपुरा नवयुवक मण्डल डप मण्डली के अलावा राजलदेसर मैन बाजार डप मण्डली, गिन्दड़ मण्डली व् मण्डावा की जय हनुमान बगीचा मित्र मण्डल की प्रस्तुतियों पर दर्शक खूब थिरके। रात्रि के तीन बजे तक चले इस कार्यक्रम में आए दर्शकों का मन नहीं भरा।

इससे पूर्व समाज कल्याण मंत्री बैरवा, पंचायत राज मंत्री मेघवाल, अध्यक्षता कर रहे प्रभा खेतान फाउण्डेशन के भूतोड़िया, जिला प्रमुख रामदेव सिंह ढाका ने विचार प्रकट किए। वहीं महावीर प्रसाद गोटेवाला ने उक्त मेहमानों सहित कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष बनवारीलाल शर्मा, जिला कलेक्टर रामावतार, वीणा कैसेट्स के के.सी. मालू, नगरपालिका अध्यक्ष गौरीशंकर मण्डावेवाला का साफा पहनाकर स्वागत किया। सम्प्रति के अध्यक्ष राधेश्याम चोटिया, जार के जिला अध्यक्ष, जार के महामंत्री सन्तकुमार सारस्वत, सुमन कुमार पारीक, बनवारीलाल दीक्षित, सुरेन्द्र शर्मा, दिलीप सिंधी, नानू सिंधी, सुशील सोनी, किशन उपाध्याय, बिन्दू शर्मा, गुरुदास भारती, डॉ. जमील चौहान आदि कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का स्वागत किया।

पत्रिका टी.वी., इनाडु टी.वी., आकाशवाणी ने कार्यक्रम को अपने कैमरे में कैद किया। वहीं स्थानीय गोयल केबल नेटवर्क द्वारा शहर में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम चोटिया ने किया।

चूरू में राजस्थान पत्रकार संघ (जार) एवं सम्प्रति की ओर से आयोजित शेखावाटी महोत्सव का उद्‌घाटन करते समाज कल्याण मंत्री बनवारीलाल बैरवा, पंचायत राज मंत्री भंवरलाल मेघवाल व प्रभा खेतान फाउण्डेशन के न्यासी सन्दीप भूतोड़िया। फोटो: शैलेन्द्र सोनी

राजस्थान पत्रिका, १ अप्रैल २००२

ess bee

लोक कलाकारों ने यादगार बनाया महोत्सव को

■ निजी प्रतिनिधि

चूरू, 31 मार्च । बांसुरी की स्वर लहरियों के बीच चंग की थाप व नगाड़े की गूंज के साथ कलाकारों ने जब थिरकना शुरू किया, तो इन्द्रमणी पार्क में बैठे हजारों लोग फागुनी मस्ती में सराबोर होकर झूमने लगे। शेखावाटी की गायिका सीमा मिश्रा व मुकेश बागड़ा की प्रस्तुतियों ने 18 वें शेखावाटी महोत्सव को यादगार बना दिया।

संप्रति एवं जार के तत्वावधान व प्रभा खेतान फाउंडेशन के सौजन्य से वीणा कैसेट की कलाकार सीमा मिश्रा ने जब चांद चढ्यो गिगनार गीत सुनाया तो मध्यरात्रि की बेला में हजारों दर्शक फागोत्सव की मस्ती में झूमकर नाचने लगे। इसके अलावा सुश्री मिश्रा की कुएं पर एकली रे, गोगा सोजा मेरा लाल, मिसरी को बाग लगादे, रंग दे छैला सहित अनेक राजस्थानी लोकगीतों पर बेकाबू हजारों युवाओं की भीड़ पुलिस के डंडे की परवाह नहीं करते हुए साथ-साथ गाकर थिरकने लगी। राज्य के समाज कल्याण मंत्री बनवारी लाल बैरवा, पंचायत राज राज्य मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल के आतिथ्य व अन्तरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन की युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया की अध्यक्षता में आयोजित शेखावाटी महोत्सव में रामगढ़, रतननगर, कर्णपुरा, मंडावा, राजलदेसर की दफ व गिन्दड़ मंडलियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही क्रमशः रतननगर डफ मंडली, रामगढ़ की हनुमान गिन्दड़ पार्टी व करणपुरा की डफ मंडली के कलाकारों को शील्ड व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महोत्सव में जहां लोक कलाओं के नयनाभिराम दृश्य देखने को मिले, वहीं सुरीली लोक रागनियां भी सुनने को मिली। प्रातः तीन बजे तक चले इस आयोजन में रतनगढ़ के विधायक पं. जयदेवप्रसाद इंदोरिया, जिला (शेष पृष्ठ 8 पर)

शेखावाटी भास्कर, सोमवार, १ अप्रैल २००२

ess bee

चूरू। संप्रति एवं जार के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित शेखावाटी महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए समाज कल्याण राज्यमंत्री बनवारीलाल बैरवा, पास खड़े हैं अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी युवा सम्मेलन के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया, राज्यमंत्री भंवरलाल मेघवाल एवं विधायक पं. जयदेवप्रसाद इंदोरिया, दूसरे चित्र में चंग नृत्य करते हुए कलाकार। *सिरधारी सैनी*

लोक कलाकारों ने यादगार बनाया महोत्सव को

■ निजी प्रतिनिधि

चूरू, 31 मार्च । बांसुरी की स्वर लहरियों के बीच चंग की थाप व नगाड़े की गूंज के साथ कलाकारों ने जब थिरकना शुरू किया, तो इन्द्रमणी पार्क में बैठे हजारों लोग फागुनी मस्ती में सराबोर होकर झूमने लगे। शेखावाटी की गायिका सीमा मिश्रा व मुकेश बागड़ा की प्रस्तुतियों ने 18 वें शेखावाटी महोत्सव को यादगार बना दिया।

संप्रति एवं जार के तत्वावधान व प्रभा खेतान फाउंडेशन के सौजन्य से वीणा कैसेट की कलाकार सीमा मिश्रा ने जब चांद चढ्यो गिगनार गीत सुनाया तो मध्यरात्रि की बेला में हजारों दर्शक फागोत्सव की मस्ती में झूमकर नाचने लगे। इसके अलावा सुश्री मिश्रा की कुएं पर एकली रे, गींगा सोजा मेरा लाल, मिसरी को बाग लगादे, रंग दे छैला सहित अनेक राजस्थानी लोकगीतों पर बेकाबू हजारों युवाओं की भीड़ पुलिस के डंडे की परवाह नहीं करते हुए साथ-साथ गाकर थिरकने लगी। राज्य के समाज कल्याण मंत्री बनवारी लाल बैरवा, पंचायत राज राज्य मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल के आतिथ्य व अन्तरराष्ट्रीय मारवाडी सम्मेलन की युवा शाखा के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया की अध्यक्षता में आयोजित शेखावाटी महोत्सव में रामगढ़, रतननगर, करणपुरा, मंडावा, राजलदेसर की दफ व गिन्दड़ मंडलियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही क्रमशः रतननगर डफ मंडली, रामगढ़ की हनुमान गिन्दड़ पार्टी व करणपुरा की डफ मंडली के कलाकारों को शील्ड व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महोत्सव में जहां लोक कलाओं के नयनाभिराम दृश्य देखने को मिले, वहीं सुरीली लोक रागनियां भी सुनने को मिली। प्रातः तीन बजे तक चले इस आयोजन में रतनगढ़ के विधायक पं. जयदेवप्रसाद इंदोरिया, जिला (शेष पृष्ठ 8 पर)

लोक कलाकारों...

कलेक्टर रामावतार, नगरपालिकाध्यक्ष गौरीशंकर मंडावेवाला, वीणा कैसेट के के. सी . मालू, अपर पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष बनवारीलाल शर्मा, सेवादल के जिला संगठक रियाजत अली खान सहित अनेक विशिष्ट लोगों ने लुत्फ उठाया।

शेखावाटी भास्कर, सोमवार १ अप्रैल २००२

ess bee

सरकार खेतान फाउंडेशन को हरसंभव मदद देगी : गहलोत

सीकर, 1 अप्रैल (नप्र)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार डा. प्रभा खेतान फाउंडेशन के क्रियाकलापों में अपनी ओर से हरसंभव मदद देगी। गहलोत ने यह आश्वासन डा. प्रभा खेतान फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी व अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी युवा सम्मेलन के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया को आज जयपुर में एक विशेष मुलाकात के दौरान दिया। श्री भूतोड़िया ने मुख्यमंत्री को फाउंडेशन द्वारा राज्य में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों तथा गतिविधियों की जानकारी दी। श्री गहलोत ने इसे राज्य के विकास में प्रवासी राजस्थानियों का महत्त्वपूर्ण योगदान मानते हुए कहा कि यह उनकी उस अपील का सकारात्मक प्रमाण है जो उन्होंने प्रवासी उद्योगपतियों से अपनी धरती के साथ जुड़ने के लिए पिछले औद्योगिक सम्मेलन में की थी। मुख्यमंत्री (शेष पृष्ठ 8 पर)

सरकार...

ने अन्य प्रवासी उद्यमियों से भी अपेक्षा की कि वे भी राजस्थान के विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से यहां से जुड़ें। उन्होंने कहा कि यदि कोई ऐसी सामाजिक संस्था यहां अपने क्रियाकलाप संचालित करती है तो राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

शेखावाटी भास्कर, मंगलवार २ अप्रैल २००२

ess bee

25

दैनिक नवज्योति
23.4.2002

भजन संध्या पच्चीस को

चूरू, 22 अप्रैल (न्यूज सर्विस)। श्री शिव संस्थान, ठरडा धाम के तत्वावधान में भगवान महावीर जयंती के अवसर पर स्व. अमरचंद भूतोड़िया की पुण्य स्मृति में ठरडा में निर्माणाधीन शिव मंदिर के सहयोगार्थ विशाल भक्ति भजन संध्या का आयोजन 25 अप्रैल को किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए श्री शिव संस्थान के मंत्री दानमल भोजक ने बताया कि दी यंग्स क्लब ट्रस्ट प्रांगण में आयोजित भजन संध्या में कोलकाता पं. बंगाल के भजन गायक विकास शर्मा एण्ड पार्टी द्वारा भक्ति भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। भजन संध्या की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि श्री शिव संस्थान, ठरडा धाम द्वारा ठरडा ग्राम के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में भव्य शिव मंदिर के निर्माण का बीड़ा उठाया गया है। मंदिर के निर्माण का कार्य प्रारंभ है। जन चर्चा है कि इस मंदिर के निर्माण के पश्चात् सुजानगढ़ क्षेत्र में एक रमणीक व अध्यात्मिक केंद्र की शुरुआत होगी। भजन संध्या का आयोजन स्व. अमरचंद भूतोड़िया के सुपत्र संदीप भूतोड़िया, अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन, युवा शाखा के आर्थिक सौजन्य से किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर 21/4/02

सार-समाचार

आस्था में कमी के कारण ही प्राकृतिक प्रकोप

फतेहपुर। आज लोगों का मंदिरों व देवी-देवताओं के प्रति आस्था कम होती जा रही यही कारण है कि लोग प्रकृति के प्रकोप को झेल रहे हैं। स्थानीय विधायक भंवरू खां ने उक्त विचार गांव गांगिवासर में संत गुरु महाराज के मंदिर की मूर्ति स्थापना व प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आज भूकंप, सांप्रदायिक हिंसा, अकाल पड़ने जैसी समस्या देवी-देवताओं से विमुख होने के कारण ही बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भगवान सर्वव्यापी एवं सर्वशक्तिशाली है तथा उनकी पूजा करने मात्र से ही अनेक समस्याओं का समाधान संभव है। महंत महेंद्रनाथ ने मूर्ति स्थापना कर उनकी प्राण-प्रतिष्ठा करवाई। इस अवसर पर बड़ी मात्रा में ग्रामीण पुरुष, महिलाएं व छात्र-छात्राएं भी समारोह में उपस्थित थे।

भक्ति संगीत संध्या 25 को

सुजानगढ़। स्थानीय यंग्स क्लब प्रांगण में स्वर्गीय अमरचंद भूतोड़िया की स्मृति में निकटवर्ती गांव ठरड़ा में बन रहे शिव मंदिर के सहयोगार्थ आगामी 25 अप्रैल को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। शिव संस्थान के मंत्री दानमल भोजक के अनुसार इस कार्यक्रम में कोलकाता के भजन गायक विकास शर्मा एंड पार्टी के कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देंगे।

राजस्थान पत्रिका
सीकर, 20 अप्रैल 2002

भजन संध्या 25 को

सुजानगढ़। शिव संस्थान, ठरड़ा धाम के तत्वावधान में भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य पर स्व. अमरचंद भूतोड़िया की पुण्य स्मृति में ठरड़ा में निर्माणाधीन शिव मंदिर के सहयोगार्थ भजन संध्या का आयोजन 25 अप्रैल को दी यंग्स क्लब ट्रस्ट में किया जाएगा।

दैनिक भास्कर - 23.4.2002

भजन संध्या 25 को

सुजानगढ़। शिव संस्थान ठरड़ा के तत्वावधान में भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में 25 अप्रैल को स्वर्गीय अमरचंद भूतोड़िया की स्मृति में गांव ठरड़ा में निर्माणाधीन शिव मंदिर के सहयोग के लिए एक भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में संस्थान के मंत्री दानमल ने बताया कि दी यंग्स क्लब ट्रस्ट प्रांगण में आयोज्य भजन संध्या में कोलकाता की विकास शर्मा व पार्टी अपने भजनों की प्रस्तुतियां देंगी।